



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

बसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 592]

नई शिल्पी, बृहदार, नवम्बर 8, 1989/कार्तिक 17, 1911

No. 592] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 8, 1989/KARTIKA 17, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विसंगत भाग

(राजस्व विभाग)

विदेश-कर विभाग

अधिसूचना

नई शिल्पी, 8 नवम्बर, 1989

आयकर

ना. का नि. 969(ग्र) — दार्शन गणराज्य की मरकार और मंयुक्त प्रबंध अमीरित की संस्कार के बीच अन्तरराष्ट्रीय धार्य परिवहन से प्राप्त आय के द्वारे कराधान के परिवर्तन के लिए उपादान करार दोनों संविदाकारी राज्यों द्वारा एकत्रित दो उक्त करार के प्रत्यक्षेव 6 की अपेक्षानुसार उनकी अपनी-अपनी विधियों द्वारा अधिकृत प्रतिक्रियाओं के पूर्ण हो जाने की अधिसूचना पर 1-12-1989 को प्रवृत्त होगा;

अब, अत. केन्द्रीय मरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 90 और केंद्रीय (लाल) अनिकर अधिनियम, 1964 (1964 का 7) की धारा 24 के द्वारा प्रदत्त अनियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त करार के मध्ये डाकमाल का कार्यमय न कराया जिया।

उपाधान

भारत गणराज्य की मरकार

और

नयुन प्रबंध अमीरित की मरकार

के बीच

अन्तरराष्ट्रीय धार्य परिवहन से प्राप्त होने वाली आय पर दोहरे कराधान के परिक्षार के लिए करार

भारत गणराज्य की मरकार और संयुक्त प्रबंध अमीरित की संस्कार, अन्तरराष्ट्रीय धार्य परिवहन से प्राप्त होने वाली आय पर दोहरे कराधान के परिक्षार के लिए एक करार समझ करते की इच्छा से नीचे लिखे अनुसार बहसत हुई है—

अनुच्छेद—1

करार के अन्तर्गत आने वाले कर

1. यह करार जेत करने पर लागू होगा, वे निम्नानुसार है—

(क) संयुक्त प्रबंध अमीरित के मामले में, आयकर, जो मंयुक्त प्रबंध अमीरित की मध्यीय मरकार द्वारा लगाया जाए, (जिसे एन्ट्रीप्रेशन

“संयुक्त अरब अमीरात कर” के रूप में उल्लिखित किया गया है।

(क्र) भूर्ग के मामले में :—

(i) ग्रामकर, जिसमें उस पर लगने वाला कोई भी अधिकार नामिल है; और

(ii) अनिकर।

(जिन्हें एतद्वारा “भारतीय कर” के रूप में उल्लिखित किया गया है।)

2 यह करार आय पर उद्घाटीय ऐसे किसी भी समरूप अवयवा पर्याप्तिः उसी प्रकार के करों पर भी लागू होगा, जो दोनों मंविदाकारी राज्यों में से किसी भी मंविदाकारी राज्य द्वारा मंधीय अवयवा राज्य स्वर पर, इस अनुच्छेद के पैशाश्राक 1 में उल्लिखित करों के अनिकरित अवयवा उनके बदले में लगाए जाएंगे। दोनों मंविदाकारी राज्यों के पक्षम प्राप्तिकारी अपने-अपने कराधान कानूनों में किए गए किसी भी प्रकार के महसूरुण परिवर्तनों के बारे में एक-दूसरे को अधिसूचित करेंगे।

### अनुच्छेद 2

#### परिभासां

(1) इस करार के प्रयोजनार्थ, जब भव विषयगत पाठ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(क) “एवं मंविदाकारी राज्य” और द्वारा मंविदाकारी राज्य” पदों से विषयगत पाठ की अपेक्षा के अनुमार भयुक्त अरब अमीरात अधिकृत, भारत अधिकृत है;

(ख) “कर” शब्द से विषयगत पाठ की अपेक्षा के अनुसार मंयुक्त अरब अमीरात कर अवयवा भारतीय कर अधिकृत है;

(ग) “भारत का उद्यम” पर से पृथक हित्या और दृष्टिक्षण पर, लाइस तथा भारत सरकार द्वारा नामजद कोई अन्य उद्यम अधिकृत है;

(घ) “मंयुक्त अरब अमीरात का उद्यम” पर से गल्फ एवर और प्रिमेरेट्रू प्रयासार्थ स्थान भयुक्त अरब अमीरात को सरकार द्वारा नामजद कोई अन्य उद्यम अधिकृत है;

(क्र) “अन्तरराष्ट्रीय यातायात” पद से अधिकृत एक मंविदाकारी राज्य के किसी उद्यम द्वारा गवालित किसी वायुयान से किए गए परिवहन से है, केवल उस स्थिति को छोड़कर जब वायुयान को मात्र दूसरे मंविदाकारी राज्य में स्थित स्थानों के बोर्ड ही चलाया जाना हो,

(च) “वायुयान परिचालन” पद से अधिकृत है—वायुयान के स्थानिक अवयवा प्रदूषकारियों अवयवा अवकेताओं द्वारा यात्रियों, पशुओं माल अवयवा द्वारा को वायुयान द्वारा लाने-जाने का कारोबार, जिसमें अन्य उद्यमों की ओर से ऐसे परिवहन के सिए टिकटों की विक्री, वायुयान का आनुवंशिक पट्टा और ऐसे परिवहन से प्रस्तुत मन्त्र द्वारा अधिकारीपा नामिल है;

(छ) “भद्रम प्राधिकारी” पद से अधिकृत है—

(i) भारत वे मामले में केन्द्रीय सरकार की वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) अवयवा उसका प्राधिकृत प्रतिनिधि;

(ii) मंयुक्त अरब अमीरात के मामले में किन तथा उद्योग मर्त्त अवयवा उनका प्राधिकृत प्रतिनिधि।

3. दोनों मंविदाकारी राज्यों में से किसी दो मंविदाकारी राज्य द्वारा इस करार के उपर्यंत्रों को लागू करने में प्रयुक्त किसी पद का, जिसे इसमें अनिवार्य नहीं किया गया है, जब भव ति विषयगत पाठ में अन्यथा अपेक्षित नहीं हो, अर्थ अहीं होगा, जो ऐसे करों के संबंध में उस राज्य में प्रवृत्त कानूनों के अन्तर्गत है जो इस करार के विषय है।

### अनुच्छेद—3

#### दोहर करार का परिवार

संयुक्त अरब अमीरात के किसी उद्यम द्वारा अन्तरराष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन में प्राप्त आय भी भारत में भारतीय कर से छूट प्राप्त होंगी।

भारत के किसी उद्यम द्वारा अन्तरराष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन में प्राप्त आय का संयुक्त अरब अमीरात में, संयुक्त अरब अमीरात कर से छूट प्राप्त नहीं।

3. पैशाश्राक 1 और .. के उपर्युक्त किसी पूल, इसी गयुक्त अवयव का अधिकार अवयव किसी अन्तरराष्ट्रीय परिचालन एजेंसी में भागीदारी से प्राप्त आय पर भी लागू होगा।

4. पैशाश्राक 1 और .. के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय यातायात में वायुयान के संचालन में प्रत्यक्षत मंधीय पर व्याज को ऐसे वायुयान के संचालन से प्राप्त दृढ़ आय समझा जाएगा।

5. किसी नंविदाकारी राज्य के किसी उद्यम के स्वामित्व में तथा उक्त उद्यम द्वारा मंधील की वायुयान के अस्थरण से तथा उक्त उद्यम द्वारा ऐसे वायुयान के संचालन में प्रयुक्त किये गए अनिकरित पुत्रों तथा उपस्करों के अन्तरण से प्राप्त अभिनामों पर केवल इस भज्य में ही कर सकेंगा।

6. अन्तरराष्ट्रीय यातायात में चलाए जाने वाले किसी वायुयान से सकार होकर किए गए किसी नियोजन के मंधील में प्राप्त वित्त भजदृष्टि तथा अन्य पारिवर्त्यक पर केवल उसी मंविदाकारी राज्य में कर लगेगा जहां पर वायुयान के परिवहन के माध्यमात्र उभरने नियंत्रण मी होगा है। विगते कि संविधित कर्मचारी का उमत इसर नंविदाकारी राज्य ने कर नानों के अनुमार दूसरे राज्य में निवास नहीं हो।

### अनुच्छेद—4

#### प्रवर्णित उपबंध

दोनों मंविदाकारी राज्यों में प्रवृत्त कानून दोनों मंविदाकारी राज्यों में कर-निधीरण स्था अवयव पर कराधान किए जाने के बारे में बते रहेंगे विगते कि इस करार में उनके क्रिपर्नियों को द्वारा उपबंध लिया गया हो।

### अनुच्छेद—5

#### पारम्परिक राज्य कार्यविधि

1. मंविदाकारी राज्यों के सधाम प्राधिकारी इस करार के अर्थनिरूपण में अवयव उभों सार करने में उपर्युक्त वाली किसी प्रकार की कठिनाइयों अवयव संकाश्रों का समाधान पारम्परिक महमति द्वारा करने का प्रयोग करेंगे।

2. एक मंविदाकारी राज्य के किसी मध्यम प्राधिकारी द्वारा इस अनुच्छेद को लागू करने में अवयव उभों के अर्थनिरूपण के प्रयोजनार्थ परामर्श करने हेतु किसी भी समय अनुरोध किया जा सकता है। ऐसे अनुरोध के प्राप्त होने की तरीय से 90 दिनों के भीतर, ऐसा परामर्श शुरू होगा और तिनां विवरणित गहमति द्वारा लिया जाएगा।

### अनुच्छेद—6

#### करार की लागू करना।

1. प्रथेक राज्य इस करार को लागू करने के लिए अपने-अपने कानून में अपेक्षित प्रक्रिया के पूर्ण होने के बारे में एक-दूसरे को अधिसूचित करेंगा। घट करार, इन अधिसूचनाओं में से बाद में दी गई अधिसूचना के भाग के बाद में पड़ने वाले दूसरे माह की प्रथम सारीव तो प्रभावी होगा।

2. इस कानून के उपर्योग का प्रभाव जनवरी, 1971 के प्रथम दिन को अधिका उसके पश्चात् उद्भूत हुई शाय के संबंध में पड़ेगा।

3. विनाक 1 जनवरी, 1971 से पहले की अवधि के संबंध में करना निर्धारितों को पुनः शुरू करने के संबंध में कोई सभी कार्यवाही नहीं की जाएगी।

4. यदि कोई संविदाकारी राज्य दूसरे संविदाकारी राज्य के किसी उच्च वायुयान के निकाल से प्राप्त हुई आय पर ऊपर उन्नियाल अवधि के नियम का कोई वसूली करता है तो प्रथमोलिंगित संविदाकारी राज्य के कानूनों के अनुसार ऐसे करने को, व्याज महिन, यदि कोई हो, वासी की जाएगी।

अनुच्छेद—7

#### पर्यवेक्षन

यह कानून वास्तव में अनिश्चितकाल तक नागृ रहेगा परन्तु दोनों संविदाकारी राज्य वर्ष 1993 के पश्चात् किसी भी फैलेटर वर्ष में जून माह के तीसरे दिन को अधिका उसमें पहले, दूसरे संविदाकारी राज्य को इसके पर्यवेक्षन का नोटिस दे सकेगा और ऐसी स्थिति में यह कानून निपटावाची हो जाएगा।

(क) संयुक्त ग्रन्त अमीरात में, जिस वर्ष में नोटिस दिया जाता है, उस वर्ष के दूसरे फैलेटर वर्ष के अन्तर्वारी माह के प्रथम दिन को अधिका उसके पश्चात् आगम्भ होने वाले किसी भी कर-वर्ष के संबंध में;

(ख) भारत में, जिस वर्ष में नोटिस दिया जाता है, उस वर्ष के द्वादश अंते दूसरे फैलेटर वर्ष के अप्रैल माह के प्रथम दिन को अधिका उसके पश्चात् आगम्भ होने वाले किसी भी कर-वर्ष के संबंध में।

जिसके साथ में, विधिवत प्राधिकृत अधिकारीशरियों ने द्वय लगार पर हम्माक्षर किए हैं।

नई दिल्ली में एक हवार नी सौ नवासी के मार्च माह के तीसरे दिन को हिन्दी, अरबी तथा अंग्रेजी भाषाओं में दो-दो मून प्रानवों में निपत्र किया गया, जिसके सभी पाठ समान रूप में प्राप्तिकृत हैं। इन कानून के अधिनियम में तथा इसे लागू करने के संबंध में किसी भी विवाद की दशा में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

भारत गणराज्य की सरकार की ओर से	संयुक्त ग्रन्त अमीरात की सरकार की ओर से
पी. के. अप्पाचू, संयुक्त सचिव,	मोहम्मद खलफान खिरबाश, निवेशक,
भारत सरकार	निवेश विभाग,

वित तथा उद्योग संवालय,

संयुक्त ग्रन्त अमीरात

[म. 8490/फा. स./501/1/88-एफ. दी. श.]

पी. के. अप्पाचू, संयुक्त मित्र

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

#### FOREIGN TAX DIVISION

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 8th November, 1989

#### INCOME-TAX

G.S.R. 969(E).—Whereas the annexed Agreement between the Government of the Republic of India and the Government of the United Arab

Emirates for the avoidance of double taxation of income derived from the international air transport will enter into force on 1-12-1-1989 on the notification by both the Contracting States to each other of the completion of the procedures required by their respective laws, as required by Article 6 of the said Agreement;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 90 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and section 24A of the Companies (Profits) Surtax Act, 1964 (7 of 1964), the Central Government hereby directs that all the provisions of the said Agreement shall be given effect to in the Union of India.

#### ANNEXURE

##### Agreement Between

The Government of the Republic of India and the Government of the United Area Emirates for the Avoidance of Double Taxation of Income Derived from the International Air Transport

The Government of the Republic of India and the Government of United Arab Emirates,

Desiring to conclude an Agreement for the avoidance of double taxation of income derived from international air transport,

Have agreed as follows :—

#### Article 1

##### Taxes Covered

1. The taxes to which this Agreement shall apply are :

(a) In the case of the United Arab Emirates, the income tax as imposed by Federal Government of the United Arab Emirates, (hereinafter referred to as "United Arab Emirates Tax")

(b) In the case of India :—

(i) the income tax including any surcharge thereon; and

(ii) the surtax.

(hereinafter referred to as "Indian Tax").

2. This agreement shall also apply to any identical or substantially similar taxes on income which are imposed at Federal or State level by either Contracting State in addition to, or in place of, the taxes referred to in paragraph 1 of this Article. The competent authorities of the Contracting States shall notify each other of any substantial changes which are made in their respective taxation laws.

## Article 2

## Definitions

1. For the purpose of this Agreement, unless the context otherwise requires :—

- (a) The term "a Contracting State" and "the other Contracting State" means the United Arab Emirates or, India as the context requires;
- (b) The term "tax" means United Arab Emirates tax or Indian tax as the context requires;
- (c) The term "enterprise of India" means Air India and Indian Airlines and any other enterprises designated by the Government of India;
- (d) The term "enterprise of The United Arab Emirates" means Gulf Air and Emirates Airlines and any other enterprises designated by the Government of the United Arab Emirates;
- (e) The term "international traffic" means any transport by an aircraft operated by an enterprise of a Contracting State, except when the aircraft is operated solely between places in the other Contracting State;
- (f) The expression "operation of aircraft" means business of carriage by air of passengers, livestock, goods or mail carried on by the owners or lessees or charterers of aircraft including the sale of tickets for such transportation on behalf of other enterprises, the incidental lease of aircraft and any other activity directly connected with such transportation.
- (g) The term "competent authority" means :
  - (i) in the case of India, the Central Government in the Ministry of Finance (Department of Revenue) or its authorised representative;
  - (ii) in the case of United Arab Emirates, The Minister of Finance and Industry or his authorised representative.

2. In the application of the provisions of this Agreement by one of the Contracting States, any term not defined herein shall, unless the context otherwise requires, have the meaning which it has under the laws in force in that State relating to the taxes which are the subject of this Agreement.

## Article 3

## Avoidance of double taxation

1. Income which an enterprise of United Arab Emirates derives from the operation of aircraft in international traffic shall be exempted in India from Indian tax.

2. Income which an enterprise of India derives from the operation of aircraft in international traffic shall be exempted in United Arab Emirates from United Arab Emirates tax.

3. The provisions of paragraphs 1 and 2 shall also apply to income from the participation in a pool, a joint business or an international operating agency.

4. For the purpose of paragraphs 1 & 2, interest on funds directly connected with the operation of aircraft in international traffic shall be regarded as income from the operation of such aircraft.

5. Gains derived by an enterprise of a Contracting State from the alienation of aircraft owned and operated by the enterprise including gains from the alienation of spares and equipment used by the enterprise in the operation of such aircraft shall be taxable only in that State.

6. Salaries, wages and other remuneration in respect of an employment exercised aboard an aircraft operated in international traffic shall be taxable only in Contracting State where the air transport enterprise is managed and controlled, provided that the employee concerned is not a resident in the other Contracting State in accordance with the tax laws of that other State.

## Article 4

## Residual Provisions

The laws in force in either of the Contracting States will continue to govern the assessment and taxation of income in the Contracting States except where express provision to the contrary is made in Agreement.

## Article 5

## Mutual Agreement Procedure

1. The competent authorities of the Contracting States shall endeavour to resolve by mutual agreement any difficulties or doubts arising as to the interpretation or application of the Agreement.

2. Consultation may be requested at any time by the competent authority of a Contracting State for the purpose of application or interpretation of the Article. Such consultation shall begin within 90 days from the date of receipt of any such request and decisions shall be by mutual consent.

## Article 6

## Entry into force

1. Each State shall notify to the other the completion of the procedure required by its law for the bringing into force of this Agreement. The Agreement shall enter into force the first day of the second month following the month in which the latter of these notifications has been given.

2. The provisions of this Agreement shall have effect in respect of income derived on or after the 1st day of January, 1971.

3. No action would be taken to reopen assessments in respect of the period prior to the 1st day of January, 1971.

4. In case a Contracting State collects taxes relating to the above mentioned period, on income derived from the operation of aircraft by an enterprise of the other Contracting State, then such taxes shall be refunded together with interest if any, in accordance with the laws of the first mentioned Contracting State.

### Article 7

#### Termination

This Agreement shall continue in effect indefinitely but either Contracting State may, on or before the thirtieth day of June in any calendar year after the year 1993, give notice of termination to the other Contracting State and in such event this Agreement shall cease to be effective :—

(a) in the United Arab Emirates in respect of any tax year commencing on or after the 1st day of January of the second calendar year following the year in which the notice is given;

(b) In India in respect of any assessment year commencing on or after the 1st day of April of the second calendar year following the year in which the notice is given.

In witness whereof, the undersigned, duly authorised thereto have signed this Agreement.

Done at New Delhi this third day of March one thousand nine hundred and eighty nine in two originals in the Hindi, Arabic and English languages, all texts being equally authentic. In case of dispute as to interpretation and application of this Agreement, the English text shall prevail.

For the Government of the  
Republic of India

P. K. APPACHOO, Jt. Secy.  
to the Govt. of India,  
Ministry of Finance

For the Government of the  
United Arab Emirates

MOHAMED KHALFAN KHIRBASH, Director  
of Investment Department,  
Ministry of Finance and Industry

[No. 8490|F.No. 501|1|88-FTD]  
P. K. APPACHOO, Jt. Secy.

